

प्रेषक,

डॉ०राघव लंगर,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा,
हल्द्वानी नैनीताल।

शिक्षा अनुभाग-7(उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 27 अप्रैल, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 के लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सचिव, वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-312/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 31.03.2017 एवं आपके पत्र संख्या-डिग्री बजट-500/2017-18 दिनांक 17.04.2017 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-11 के लेखानुदान के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं की वचनबद्ध एवं अवचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रु० 9854.29 लाख (रु० अट्ठानब्बे करोड़ चौवन लाख उन्नतीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने हेतु श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत योजनाओं पर नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत ही किये जाने का दायित्व विभागाध्यक्ष का होगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा, धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/उक्त शासनादेश के प्राविधान के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के सम्बन्ध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन को निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाये।
- (5) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (6) व्यय सम्बन्धी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उनमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाये।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-2018 के लेखानुदान में अनुदान संख्या-11 के अधीन वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की विभिन्न योजनाओं के लेखाशीर्षक-2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित वार्षिक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामे डाला जायेगा।



.....2/